

एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग 2024

टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) की एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग (2024) के 12वें संस्करण के अनुसार, सर्वोच्च स्थान पर भारतीय संस्थान **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc)**, बेंगलुरु (कर्नाटक) है, जो 32वें स्थान पर है। 2024 की सूची में 91 भारतीय संस्थान शामिल हैं।



Country/region	Number of institutions	Top institution	Rank
Japan	119	The University of Tokyo	5
India	91	Indian Institute of Science	32
China	86	Tsinghua University	1
Turkey	75	Koc University	+69
		Middle East Technical University	+60
Han	73	Shanghai University of Technology	+66
Taiwan	45	National Taiwan University (NTU)	20
Pakistan	40	Quaid-i-Azam University	+121
South Korea	39	Seoul National University	14
Indonesia	24	University of Indonesia	201-250
Malaysia	23	Universiti Teknologi Petronas	+82

मुख्य बिंदु

- ❖ सिंगुआ विश्वविद्यालय (चीन) लगातार छठे वर्ष इस सूची में शीर्ष पर है, इसके बाद पेकिंग विश्वविद्यालय (चीन) और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) (सिंगापुर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- ❖ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में 31 देशों/क्षेत्रों के 739 विश्वविद्यालय शामिल हैं। यह 2023 में 669 से 10.5% की वृद्धि दर्शाता है।
- ❖ 2024 की सूची में सबसे अधिक उपस्थिति जापान की है, जिसके 119 विश्वविद्यालय हैं, उसके बाद भारत (91, जो 2023 में 75 था) और मुख्यभूमि चीन (86) का स्थान है।

भारतीय परिदृश्य:

- ❖ बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) शीर्ष 50 और शीर्ष 100 एशियाई विश्वविद्यालयों में शामिल एकमात्र भारतीय संस्थान है।
- ❖ 2023 में, चार भारतीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों को शीर्ष 100 में स्थान दिया गया।
- ❖ शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज (हिमाचल प्रदेश) की रैंकिंग 2024 में 77वें से गिरकर 150वें स्थान पर आ गई, जबकि महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (केरल) 95वें से गिरकर 134वें स्थान पर आ गया।

टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) के बारे में:

- ❖ द टाइम्स हायर एजुकेशन सप्लीमेंट (पूर्व नाम द टाइम्स हायर एजुकेशन सप्लीमेंट - द थिस) एक ब्रिटिश पत्रिका है जो उच्च शिक्षा से संबंधित समाचारों और मुद्दों पर रिपोर्टिंग करती है।
- ❖ **मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)** – पॉल हावर्थ
- ❖ **मुख्यालय-** लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके)

भारत का पहला क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर

आईआईटी-बॉम्बे और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने भारत के पहले क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर को विकसित करने के लिए सहयोग किया है, जो कि राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के लक्ष्य के अनुरूप है।



मुख्य बिंदु

- ❖ इसका लक्ष्य एक उन्नत संवेदन उपकरण बनाना है जो अर्धचालक चिप परीक्षण में परिशुद्धता में सुधार करेगा, चिप विफलताओं को कम करेगा, तथा ऊर्जा दक्षता में वृद्धि करेगा।
- ❖ क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर, चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) की तरह, अर्धचालक चिप्स की गैर-आक्रामक और गैर-विनाशकारी इमेजिंग प्रदान करता है, जो चिप के आकार के सिकुड़ने पर विसंगतियों का पता लगाने में पिछली प्रौद्योगिकियों की सीमाओं को पार करता है।
- ❖ यह हीरे में नाइट्रोजन-रिक्ति केंद्रों के साथ-साथ विशेष गियर और सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है, जिससे विफलता विश्लेषण, उपकरण विकास और अनुकूलन प्रक्रियाओं में नाटकीय रूप से सुधार होता है। यह बहु-परत चिप्स में त्रि-आयामी चार्ज प्रवाह को भी दर्शाता है, जिससे अधिक उन्नत दोष निदान की अनुमति मिलती है।
- ❖ इसके अनेक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, जैविक और भूवैज्ञानिक इमेजिंग, तथा चुंबकीय क्षेत्रों की सूक्ष्म इमेजिंग शामिल हैं।

टीसीएस के बारे में

- ❖ **मुख्यालय:** मुंबई
- ❖ **स्थापना:** 1 अप्रैल 1968
- ❖ **मूल कंपनी:** टाटा समूह
- ❖ **संस्थापक:** फकीर चंद कोहली, जेआरडी टाटा

रेड फ्लैग अभ्यास 24

भारतीय वायु सेना (IAF) अलास्का, संयुक्त राज्य अमेरिका में 16 दिवसीय बहु-राष्ट्रीय विशाल सैन्य अभ्यास में शामिल हुई है, जिसका उद्देश्य भाग लेने वाले सैनिकों को एक आभासी युद्ध वातावरण में यथार्थवादी प्रशिक्षण प्रदान करना है। 'रेड फ्लैग 24' के नाम से जाना जाने वाला यह अभ्यास 30 मई को शुरू हुआ और 14 जून तक चलेगा।



मुख्य बिंदु

- ❖ यह दो सप्ताह का उन्नत हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास है, जिसे बहुराष्ट्रीय वातावरण में वायुसैनिकों को एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ❖ इसका उद्देश्य कई देशों और सेवाओं के पायलटों और उपकरणों को एक साथ लाकर एक यथार्थवादी और चुनौतीपूर्ण स्थिति का अनुकरण करना है।
- ❖ अभ्यास के दौरान लगभग 3100 सेवा सदस्यों द्वारा 100 से अधिक विमानों को उड़ाने, उनका रखरखाव करने तथा उन्हें सहायता प्रदान करने की अपेक्षा की गई है।
- ❖ भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग 24 अभ्यास में राफेल लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया।
- ❖ संयुक्त प्रशांत अलास्का रेंज कॉम्प्लेक्स के 77,000 वर्ग मील से अधिक हवाई क्षेत्र, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा युद्ध प्रशिक्षण रेंज है, का लाभ उठाते हुए, अभ्यास को यथार्थवादी खतरे के माहौल में कई बलों को शामिल करने के लिए तैयार किया जा सकता है।

रेड फ्लैग अभ्यास के बारे में

- ❖ 1975 में अपनी शुरुआत के बाद से, रेड फ्लैग अभ्यासों का उद्देश्य वास्तविक युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करके एक संपूर्ण शिक्षण वातावरण प्रदान करना रहा है।

- ❖ रेड फ्लैग अभ्यास के दो अलग-अलग स्थान हैं: नेवादा में नेलिस एयर फोर्स बेस और अलास्का में एयेल्सन एयर फोर्स बेस।
- ❖ संयुक्त राज्य वायु सेना युद्ध केंद्र (USAFWC) नेवादा अभ्यास का आयोजन करता है, जबकि प्रशांत वायु सेना (PACAF), जो कि अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का वायु घटक कमान है, अलास्का अभ्यास का प्रबंधन करती है।

रेड फ्लैग अभ्यास के बारे में

- ❖ 1975 में अपनी शुरुआत के बाद से, रेड फ्लैग अभ्यासों का उद्देश्य वास्तविक युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करके एक संपूर्ण शिक्षण वातावरण प्रदान करना रहा है।
- ❖ रेड फ्लैग अभ्यास के दो अलग-अलग स्थान हैं: नेवादा में नेलिस एयर फोर्स बेस और अलास्का में एयेल्सन एयर फोर्स बेस।
- ❖ संयुक्त राज्य वायु सेना युद्ध केंद्र (USAFWC) नेवादा अभ्यास का आयोजन करता है, जबकि प्रशांत वायु सेना (PACAF), जो कि अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का वायु घटक कमान है, अलास्का अभ्यास का प्रबंधन करती है।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह

वर्ष भर चलने वाले लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह का आधिकारिक उद्घाटन 31 मई, 2024 को इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत में किया गया। यह कार्यक्रम मालवा क्षेत्र की पूजनीय रानी देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया, जिन्होंने 1766 से 1795 तक शासन किया था।



मुख्य बिंदु

- ❖ वर्ष भर चलने वाले त्रिशताब्दी समारोह में देश भर में विभिन्न स्थानों पर माता अहिल्या बाई होल्कर के जीवन, कार्य और व्यक्तित्व पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- ❖ पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश

विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, श्री कृष्ण गोपाल, सुश्री निवेदिता भिड़े, सुश्री सोनल मानसिंह, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ, महामंडलेश्वर किरणदास बापू महाराज, महामंडलेश्वर कृष्णवंदन जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित थे।

- ❖ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

देवी अहिल्या बाई होलकर

- ❖ 1766-1795 तक मालवा क्षेत्र (मध्य भारत) पर शासन किया।
- ❖ अर्जित उपाधि "लोकमाता" (लोगों की माँ)
- ❖ नेतृत्व, प्रशासन और परोपकार के लिए प्रिय।
- ❖ सिंहासन पर आरूढ़: अपने पति और ससुर की मृत्यु के बाद चुनौतियों पर काबू पाया।

आईआईटीके और डीआरडीओ ने रक्षा प्रौद्योगिकी में संयुक्त उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटीके) ने अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकी पर बहु-विषयक अनुसंधान करने के लिए आईआईटीके परिसर में डीआरडीओ-उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए सीओई) की स्थापना के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ सहयोग किया है।



मुख्य बिंदु

- ❖ उत्तराखंड के मसूरी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (आईटीएम) के पूर्व निदेशक संजय टंडन को आईआईटीके के उत्कृष्टता केंद्र का निदेशक नियुक्त किया गया है।
- ❖ केंद्र का उद्देश्य उन्नत नैनोमेटेरियल, त्वरित सामग्री डिजाइन, उच्च ऊर्जा सामग्री और जैव इंजीनियरिंग सहित विभिन्न रक्षा क्षेत्रों में लक्षित अनुसंधान को आगे बढ़ाना है।

- ❖ डीआरडीओ परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कार्यक्रमों को सक्षम एवं बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी सुविधाओं और समकालीन बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगा।
- ❖ आईआईटी कानपुर में डीआईए सीओई की स्थापना 2022 में गुजरात के गांधीनगर में डेफ-एक्सपो-2022 में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद की गई थी।

डेफएक्सपो 2022 रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम था, जो रक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और 2024 तक 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रक्षा निर्यात लक्ष्य तक पहुंचने के विजन पर आधारित था।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के बारे में:

- ❖ यह रक्षा मंत्रालय (MoD) का अनुसंधान एवं विकास (R&D) विंग है।
- ❖ अध्यक्ष- डॉ. समीर वंकटपति कामत
- ❖ मुख्यालय- नई दिल्ली, दिल्ली
- ❖ गठन- 1958

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. भारत के पहले क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
- यह एक भारतीय कंपनी द्वारा विकसित नई चिप निर्माण तकनीक है।
 - यह नवीन प्रौद्योगिकी अर्धचालक चिप्स को कोई क्षति पहुंचाए बिना उनका निरीक्षण करने की अनुमति देती है।
 - यह चिप्स की जांच के लिए पारंपरिक प्रकाश माइक्रोस्कोपी का उपयोग करता है।
 - इसे पूर्णतः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटी-बॉम्बे) द्वारा विकसित किया गया है।

उत्तर- (b)

2. निम्नलिखित में से कौन सा विश्वविद्यालय शीर्ष 50 और शीर्ष 100 एशियाई विश्वविद्यालयों में शामिल एकमात्र भारतीय संस्थान है?
- आईआईएससी, बैंगलोर
 - शूलिनी विश्वविद्यालय
 - महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (केरल)
 - आईआईटी दिल्ली

उत्तर- (a)

